पलामू का लाल : कौशल किशोर जायसवाल

मलेशिया और सिंगापुर में अवार्ड से नवाजे गए पर्यावरणविद कौशल व पूनम जायसवाल

मलेशिया और सिंगापुर के लोग बेकाबू गर्मी व जल संकट पर काबू के लिए पर्यावरण धर्म भी अपनाने का लिया संकल्पः कौशल व पूनम

विश्वव्यापी पर्यावरण संरक्षण अभियान के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह पर्यावरण धर्मगुरु और वन राखी मूवमेंट के प्रणेता पर्यावरणविद् कौशल किशोर जायसवाल और उनकी धर्मपत्नी सह बीपीएसए संस्था की प्रधान सचिव और छतरपुर अनुमंडल की डाली बाजार पंचायत की मुखिया पूनम जायसवाल ने पांच दिवसीय प्रवास के दौरान मलेशिया और सिंगापुर के विभिन्न राज्यों में निःशुल्क पौधा वितरण और वृक्षों पर रक्षाबंधन और पर्यावरण धर्म पर गोष्टी का आयोजन किया। मलेशिया और सिंगापुर में कौशल किशोर ने अपनी संस्था का विस्तार करते हुए अश्विनी शर्मा को मलेशिया और शिवांगी को सिंगापुर का राष्ट्रीय अध्यक्ष मनोनीत किया। श्री कौशल ने बताया कि अगले वर्ष दोनों राष्ट्रीय अध्यक्ष भारत आकर उनके निःशुल्क पौधा वितरण शिविर का उद्घाटन और डाली बाजार के कौशल नगर पार्क में बन रहे पर्यावरण धर्म ज्ञान मंदिर का अवलोकन करेंगे। कौशल किशोर ने वर्ष 2023-24 के निःशुल्क पौधा वितरण वऔररोपण के 57 वां वर्ष एवं वृक्षों पर रक्षाबंधन के 47वें वर्ष के लिए कार्यक्रम का शुभारंभ सिंगापुर के चांगी विलेज और मलेशिया की राजधानी कुलालंपुर तथा पेनांग के भगवान बुद्ध के मंदिर की धरती से पौधरोपण और वितरण वृक्षों पर रक्षाबंधन कर किया, ताकि विश्व में पूर्णतः हरित क्रांति लायी जा सके। उन्होंने हिंदुस्तान कर्नाटक का रक्त चंदन, हिमाचल का कर्पूर और विलुप्त प्रजाति कल्पतरु का बीस पौधा सिंगापुर और मलेशिया में लगा कर लोगों को पर्यावरण पर मंडरा रहे खतरे से अवगत कराते हुए जागरूक किया। कार्यक्रम में शामिल लोगों ने पर्यवारण धर्म में आस्था जताते हुए उसे अपनाने का संकल्प लिया। उक्त अभियान में मलेशिया, सिंगापुर और हिंदुस्तान के विभिन्न राज्यों से आये पर्यावरण प्रेमी में सिंगापुर के शिवांगी जैयसन मेंहदास, अश्विनी शर्मा, हैदराबाद तेलंगाना के रेवतमल जैन, महाराष्ट्र मुंबई से अनिरुद्ध खंडेलावाला, झारखंड जमशेदपुर के शेखर डे, उत्तर प्रदेश गोरखपुर से संजय सरीन, शालिनी सिंह बनारस से डॉ उदय प्रताप सिंह, पटना से शशि रंजन, लखनऊ से चारू सरीन मौजूद थे।

सिंगापुर के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिवांगी के साथ सिंगापुर में पर्यावरणविद कौशल एवं मुखिया पूनम जायसवाल

पर्यावरणविद् कौशल किशोर जायसवाल
राष्ट्रीय अध्यक्ष, विश्वव्यापी पर्यावरण संरक्षण अभियान सह
पर्यावरण धर्मगुरू व वनराखी मूवमेंट के प्रणेता
पर्यावरण विद, लावारिश सेवा केंद्र, पानी पंचायत एवं समाजसेवी

ट्री मैन राखी और पर्यावरण धर्मगुरु व वनराखी मूवमेंट के प्रणेता ने 56 वर्षों में लगाया 50 लाख पौधा

आपने अभी तक स्पाइडर मैन और मुस्ली मैन के बारे में जरूर सुना होगा, लेकिन आज मिलिए झारखंड या पलामू के 'ट्री मैन' से। इन्होंने अपना पूरा जीवन पर्यावरण को समर्पित कर दिया। इनकी जीवनी के बारे में 'कौन बनेगा करोड़पति' और यूपीएससी की परीक्षा में सवाल पूछे जाते हैं प्रश्न। इनकी जीवनी को एनसीइआरटी ने पाठ्यक्रम में शामिल किया है। लेखक अमेरिका के नील ओ ब्रेन, बेलीओ ब्रेन, भारत के अंजना शाह, उर्मिला रॉय ने उनकी जीवनी लिखी है। सीबीएसइ की आठवीं और आइसीएसी की छठी में 2010 से उनकी जीवनी की पढ़ाई होती है।

निजी खर्च पर अपनी जन्मभूमि पलामू जिले के छतरपुर अनुमंडल की पंचायत डाली बाजार के कौशल नगर पार्क में उन्होंने विश्व के 22 देशों के पौधे लगाये हैं, वहीं पर्यावरण की नयी परिभाषा गढ़ने के लिए विश्व का पहला पर्यावरण धर्म ज्ञान मंदिर का निर्माण कर रहे हैं। देश-विदेश में अब तक 55 अवार्ड से सम्मानित हुए हैं 70 वर्षीय विश्वव्यापी पर्यावरण संरक्षण अभियान के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह पर्यावरण धर्मगुरु और वन राखी मूवमेंट के प्रणेता पर्यावरणविद् कौशल किशोर जायसवाल। उन्होंने पर्यावरण प्रकृति को बचाने, प्रदूषण को भगाने के उद्देश्य से 56 वर्षो में 50 लाख से अधिक पौधों का निःशुल्क वितरण सह रोपण और 15 लाख से अधिक वृक्षों पर रक्षाबंधन और पर्यावरण धर्म पर गोष्ठी का आयोजन कर उजड़े वनों को फिर से सघन वन बनाया। वह मलेशिया, सिंगापुर, नेपाल और भूटान सहित देश के 22 राज्यों के 108 जिलों के लोगों को पर्यावरण धर्म के आठ मूल ज्ञान मंत्र पढ़ाये हैं और लोगों को पर्यावरण धर्म का पाठ पढ़ाया है।

नों की सुरक्षा लाठी से नहीं, वनराखी से होगी

कोरोना योद्धा सम्मान पत्र से नवाजे गये पर्यावरणविद कौशल किशोर जयसवाल

निःशुल्क पौधा वितरण शिविर का उद्घाटन मलेशिया और सिंगापुर में

मलेशिया के ट्वून टॉक्वर के साथ प्रधान महासचिव व डाली मुखिया पूनम जायसवाल

पर्यावरण धर्मगुरु सह वन राखी मूवमेंट के प्रणेता और पर्यावरणविद् कौशल किशोर जायसवाल के निजी खर्च पर अभियान चला कर निःशुल्क पौधा वितरण सह रोपण के 57 वर्ष और पर्यावरण धर्म और वनराखी मूवमेंट के 47 वर्ष पूरा होने के उपरांत 2023-24 के लिए विश्व के 10 देशों और देश के 10 राज्यों के 20 जिलों में दो लाख निःशुल्क पौधों का वितरण और रोपण और वनों रक्षाबंधन और पर्यावरण धर्म पर गोष्ठी का आयोजन का निर्णय पर्यावरणविद कौशल किशोर और धर्मपत्नी सह मुखिया पूनम जायसवाल द्वारा लिया गया है। बताते चलें कि आज 57 वर्ष से चल रहे अभियान में आज तक किसी सरकारी या गैर सरकारी मदद नहीं ली गयी है, स्वयं एवं अपने परिवार के सहयोग से लगातार संस्था को चलाते आ रहे हैं। सहयोग में व्यवसायी पुत्र अरुण कुमार जायसवाल, पलामू जिला के छतरपुर पूर्वी के जिला पार्षद पुत्र अमित कुमार जायसवाल, संस्था के सचिव अरविंद जायसवाल, रोहित जायसवाल, पुत्री ज्योति, बहु कोमल जायसवाल, शिल्पा जायसवाल, भाई सत्येंद्र जायसवाल, सुचित जायसवाल, गीता देवी, कल्पना देवी, सूरज कुमार, सुमित कुमार, रॉकी कुमार, विकास कुमार, अमन कुमार, संजीव प्रसाद, संजय प्रसाद, सरोज कुमार, पूर्णिमा, आकाश, आराध्या, आशिविका आद्रिका, अनुषा शामिल हैं।

पर्यावरणविद कौशल 2000 से पहले पौधा वितरण का शिविर नहीं लगाते थे। अब साप्ताहिक बाजार में 10 से 15 हजार पौधों का शिविर लगा कर ग्रामीणों को आर्थिक लाभ और किसानों को वृक्ष खेती से जोड़ दिये हैं, क्योंकि वृक्ष की खेती को आकाश सुखाड़ का भय नहीं ,बल्कि किसानों को फिक्स्ड डिपॉजिट के समान है, क्योंकि पुत्र साथ छोड़ सकता है, परंतु आज का लगा हुआ पौधा कल बुढ़ापे का सहारा बनेगा।

उनके निःशुल्क पौधा वितरण शिविर के उद्घाटन में अंतरराष्ट्रीय पर्यावरण सुंदरलाल बहुगुणा, कर्नाटक के पांडुरंग हेगड़े, पंजाब के इंद्रजीत कौर, उत्तराखंड धर्म सिंह नेगी, नेपाल के सरोज शर्मा समेत देश के 22 राज्यों के प्रमुख पर्यावरण प्रेमी के साथ सैकड़ों आइएएस, आइपीएस आइएफएस और मंत्री, सांसद और विधायक के साथ क्षेत्र प्रमुख लोगों ने कार्यक्रम में शामिल रहे हैं।

पर्यावरण धर्मगुरु कौशल ने बताया कि जिस तरह सिख भाइयों को धर्म में पांच 'क' से केश, कड़ा, कृपाण, कंघा और कच्छा रखने का विधान है, उसी तरह पर्यावरण धर्म आठ मूल ज्ञान मंत्रों में पांच और तीन 'प' से कार्य करने का विधान है। जैसे- 1. पौधों को जन्मदिन या कोई भी शुभ कार्य या श्राद्ध में लगा कर बच्चों की तरह बचाना और अतिथियों और बारातियों का स्वागत पौधा देकर करना। 2. पक्षी भी पर्यावरण के अंग हैं। उन्हें भोजन-पानी देना है, उसे भोजन नहीं कराना है। उनको भोजन के लिए बरगद-पीपल का पौधा लगा कर देना है। 3. प्रकृति की रक्षा करें, अर्थ के लिए अनर्थ ना करें। 4. किसी भी दुर्घटनाग्रस्त की मदद करें। 5. जल संग्रह करें और जल दूषित ना करें। पानी पंचायत अपनायें। 6. जंगल लगाओ जंगल बचाओ। वन और वन्य प्राणी को बचाना केवल वन विभाग का दायित्व नहीं, हम सबों का कर्तव्य है। 7. जमीन में रासायनिक खाद डाल कर धरती मां को शराबी ना बनायें, जैविक खाद या गोबर खाद का इस्तेमाल करें। 8. जंगली जानवरों को नहीं पकड़ना है। ना ही जानवरों को भोजन कराना है, बल्कि उन्हें भोजन-पानी देने का विधान है।

निःशुल्क पौधा वितरण शिविर का उद्घाटन मलेशिया और सिंगापुर में

पर्यावरणविद् कौशल ने 2023 का निःशुल्क पौधा वितरण शिविर का उद्घाटन मलेशिया और सिंगापुर में वृक्षों पर रक्षाबंधन और पौधों का वितरण कर किया है। इस दौरान उन्हें पर्यावरण के क्षेत्र में ख्याति प्राप्त और उत्कृष्ट कार्य के लिए आइकॉन ऑफ हिंदुस्तान (इंडिया) अवार्ड से नवाजा गया।

पर्यावरणविद् सह पर्यावरण धर्मगुरु और वन राखी मूवमेंट के नेता कौशल किशोर जायसवाल और उनकी धर्मपत्नी मुखिया पूनम जायसवाल को इस अवसर पर पर्यावरणविद् ने संस्था का विस्तार करते हुए मलेशिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष अश्विनी शर्मा को और सिंगापुर की राष्ट्रीय अध्यक्ष शिवांगी को मनोनीत किया है। अगले वर्ष दोनों राष्ट्रीय अध्यक्ष निःशुल्क पौधा वितरण शिविर के उद्घाटन में पलामू आयेंगे। उन्होंने हिंदुस्तान समेत मलेशिया और सिंगापुर के लोगों को बधाई दी है। वन राखी मूवमेंट के प्रणेता कौशल किशोर जायसवाल बताते हैं कि 1966 में जब अकाल पड़ा, तो खाने का अन्न और पीने का पानी भी नहीं मिल रहा था। उस वक्त सरई के फर, काना, गेठी खाकर किसी तरह से जान बचायी गयी। उस वक्त मां-पिता जी ग्रामीणों से बात कर रहे थे कि लगता है कि जंगल कटने से अकाल पड़ा है। उस बात को सुन कर 14 वर्षीय ललन (कौशल किशोर के घर का नाम) ने अपनी जन्मभूमि छतरपुर के डाली बाजार में 7.72 एकड़ जमीन पर 'जंगल लगाओ जंगल बचाओ' अभियान की शुरुआत की और किसानों को भी प्रेरित करने लगे। उस वक्त किसान अपनी निजी भूमि पर जंगल लगाने से डरते थे कि निजी भूमि पर जंगल लगाने से सरकार हम लोगों की भूमि ले लेगी, पर उन्होंने हिम्मत नहीं हारी। जब उनके द्वारा लगाये गये पौधे 10 वर्षो में वृक्ष के रूप में कटने लगे, तभी वनों को कटने से रोकने के उद्देश्य से 1977 में पर्यावरण धर्म अपनाया और उसी के तहत महिलाओं को एकत्रित कर वनों पर रक्षाबंधन कर वन राखी मूवमेंट चलाया। यह मूवमेंट बहुत कारगर साबित हुआ। इसका असर यह हुआ कि उस समय जो वन विभाग के द्वारा जंगलों को नीलामी कर वनों को कटवाया जाता था, उसे बंद करवाने में कामयाबी मिली। इस कारवां को धीरे-धीरे गांव से निकाल कर विदेशों की धरती तक पहुंचाने में कामयाबी मिली है।

सिंगापुर के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिवांगी के साथ सिंगापुर मे पेड़ पर राखी बांधते पर्यावरणविद कौशल एवं मुखिया पूनम जायसवाल

आइकन ऑफ इंडिया अवार्ड के साथ पर्यावरणविद कौशल जायसवाल एवं मुखिया पूनम जायसवाल

कौशल किशोर को उत्कृष्ट सेवा मन्मान से सम्मानित करते हुए आजाद सिपाही के प्रधान संपादक श्री हरिनारायण सिंह एवं पलामू ब्यूरो हेड जयकांत शुक्ला

पर्यावरणविद कौशल को सम्मानित करते केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा

पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास को पौधा देते पर्यावरणविद कौशल

पलामू जिला के छतरपुर पूर्वी से जिला पार्षद अमित कुमार जायसवाल सभा को संबोधित करते हुए

पर्यावरणविद कौशल किशोर जायसवाल को सम्मानित करते झारखण्ड के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन

पर्यावरणविद कौशल किशोर जायसवाल और पूनम जायसवाल को सम्मानित करते पलामू डीसी और एसपी

मलेशिया में भगवान बुद्ध मंदिर के पुजारी को पौधा दान करते पर्यावरणविद कौशल एवं पुनम

पर्यावरणविद् कौशल व पुनम को सम्मानित करते पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी, साथ में केंद्रीय मंत्री अन्नपुर्णा देवी एवं सांसद संजय सेठ

ग्रामीणों को पौधा बचाने एवं पर्यावरण धर्म के आठ मूल ज्ञान मंत्र की शपथ दिलाते पर्यावरणविद कौशल

व्यवसायी पुत्र अरुण जायसवाल अपने धर्मपत्नी कोमल के साथ

अपने पार्क डाली में परिवार के सदस्यों के साथ पर्यावरणविद कौशल एवं पुनम

पर्यावरणविद कौशल को सम्मानित करते तत्कालीन राज्यपाल सैयद सिब्ते

पलामू आयुक्त मनोज जायसवाल को पौधा देते पर्यावरण विद कौशल एवं जिला पार्षद अमित कुमार जायसवाल